cussion. As the hon. Member is aware, there is no firm decision on this. In fact, this subject has beea referred by some States to the Sarkaria Commission because it concerns Gentre-State relations as to who controls the second channel.

श्रीमती कृष्णा कौल : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि क्या कोई ऐसा सर्वेक्षण किया गया है कि टी०वी० के विज्ञापन कंज्यूमरिज्म को गलत दिशा में तो बढ़ावा नहीं दे रहे है । उपभोक्ता वस्तुओं का प्रचार किया जाता है .यह तो ठीक है । जैसे लक्स साबुन के प्रचार में होता है कि डिम्पल कपाड़िया उससे बाल धो रही है जैसे हमारे बेग साहब ने कहा कि लक्स से क्यों बाल धोएंगी वे तो शैम्पू से धोएंगी । जाहिर है कि प्रचार के लिए सिर्फ उसको दिखाते है । अथवा कपिल देव दिखाते है कि बूस्ट पी रहे है, छलांग लगा रहे है, ऐसा दिखाते है । इन चीजों का क्या असर पड़ता है । जो इन चीजों को अफोर्ड कर सकते है वे तो जानते है कि यह दिखावा मात्र है लेकिन असर पड़ता है उन पर जिनके लिए ये चीजें जरा महंगी पड़ती है । इस प्रकार से कंज्यूमरिज्म को तथा गलत दिशा में खर्च करने को बढ़ावा मिलता है अतः इस दिशा में मंत्री जी का क्या विचार है क्या सोच है ?

SHRI ARUN SINGH. Sir I have no doubt at all that there is no reason to advertise unless it is to promote the sales of a product. Therefore, it is entirely logical that advertising increases sales and' sales by definition means number of consumers. The problem that faces Government and Doordarshan is to ensure that this process by which revenues are earned by Doordarshan is not at variance with the. national policy. In order to ensure this the Audience Research Unit has been established. They have not only their own capability but also market research agencies and so on to keep a check on this.

SHRI BIR BHADRAPRATAP SINGH. Sir, the basic question still remains and that is, what should be depicted and what should be- the scope of advertisements. The hon. Minister has said that the the Board controls them and the Board is provided certain prohibitions. But what should be the posilive side of prohibition is one aspect. It has come to show that certain Members of Parliament do not know that there is poverty in the country. Somebody remarked that probably he did not know that he had two legs to stand on. The whole question is, what is the positive aspect? At least, the Members may not be ignorant of the poverty amd the poor man's culture. Therefore, since the Government is revising the policy, will the Government take this aspect into consideration? -

MR, CHAIRMAN. Probably that Mem ber is standing on four legs..

SHRI ARUN SINGH. The hon. Member has expanded the scope of the ques-tion far beyond what is contained in the maim Question. The question relates to advertisements on Doordarshan and the Member has actually raised the question of policy on Doordarshan and what should be depicted on Doordarshan. May I request him kindly give separate notice for this?

*303. *[The questioner {Shri Prpmod Mahajan)* was absent. *For answer,* vide *cols.* 34 *infra*

*304. *[The questioner {Shri Jagdambt Prasad Yadav) was absent. For answer* vide *cols.* 34-35 *infra],*

T. V. Centre at Gadehiroli In Maharashtra

305. SHRI NARESH C. PUGLTA Will he Minister of INFORMATION AND BRAODCASTING be pleased to state:

(a) what is the number of T. V. centres proposed to be opened in Maharashtra in 1987-88;

(b) whether it is a fact that demands have been made from time to time for the setting up of a T. V. centre at Gadehiroli in Maharashtra; and

(c) if so, what decision Government have taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF DEFENCE RESEARCH AND DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI ARUN SINGH): (a) Four new TV transmitters of 100 W power are expected to be commissioned in Maharashtra during 1987-88.

(b) Yes, Sir.

(c) One of the four new transmitters to be commissioned in Maharashtra during 1987-88 will be located at Gadchiroli:

SHRI JASWANT SINGH: It is like a proxy. Where is the Minister? *(Interruptions).*

SHRI V. GOPALSAMY: It has become a law college.

श्री नरेश सी० पुगलिया : सभापति महोदय, छठी योजना में देश के कोने-कोने में काफी जगह टी०वी० का निर्माण हुआ जिस समय हमारे देश में दूरदर्शन लगाए जा रहे थे उस समय हमारे विरोधी भाइयों ने उस पर काफी तीखा प्रहार किया कि इसमें पैसे की बर्बादी हो रही है । लेकिन पिछले तीन–चार साल से इसके नतीजे ऐसे आए हैं कि पिछड़े इलाकों में और सभी इलाकों में शिक्षा के क्षेत्र में, कृषि के क्षेत्र में, स्पोर्टस के क्षेत्र में और हर क्षेत्र में इसके अच्छे परिणाम निकले हैं । इसके बावजूद आज भी देश के कई हिस्से ऐसे है कि जहां पर दूरदर्शन के नहीं जाने से वहां की जनता वहां के लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों के बारे में अच्छे विचार नहीं रखती है और उसका बार-बार कहना है कि अब तक वहां पर दूरदर्शन का निर्माण क्यों नहीं हुआ ? तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि सातवीं पंचवर्षीय योजना में टी०वी० सैन्टर के निर्माण के लिए आपने क्या काइटीरिया निश्चित किया है और इसमें पिछड़े इलाकों को प्रधानता दी गई है या नहीं ? दूसरा, 1987–88 के दौरान आपने उत्तर में कहा है कि महाराष्ट्र में चार टी०वी० ट्रांसमीटर चालू किए जाने वाले है तो क्या आप उनके डिस्ट्रिक्ट्स के नाम बताने की कृपा करेंगे ? और इन चार सैन्टरज का निर्माण वर्ष 1987–88 के दौरान क्या पूरा हो जाएगा ?

श्री अरुण सिंह : सभापति महोदय, जहां तक पहला प्रश्न है सातवीं योजना में एप्रोक्सीमेटली 80 फीसदी पापुलेशन को टी०वी० ट्रांसमिशन सिगनल से कवर किया जायेगा । जहां तक डिस्ट्रिक्ट्स का सवाल है महाराष्ट्र में हर डिस्ट्रिक्ट में टेलीविजन कवरेज होगी । जहां तक दूसरा सवाल है, सर, तो इस साल 1987-88 में पहला ट्रांसमीटर जो कमीशन होगा वह रत्नागिरी में होगा । वह पिछले साल होना था लेकिन उसमें डिले हो गया है इसलिए उसकी गिनती नहीं कर रहा हूं। इसके अलावा चार और है बीर, बुलदाना, गड़-चिरौली और यवतमाल ।

श्री नरेश सी० पुगलिया : सभापति महोदय, यह चार एरिए का नाम मंत्री महोदय ने बताया, इसमें गड़-चिरौली डिस्ट्रिक्ट का नाम जो लिया है, यह महाराष्ट्र का सबसे पिछड़ा हुआ इलाका है, आदिवासी इलाका है । इस इलाके में 90 परसेंट जनता आदिवासी है और इसका 80 परसेंट एरिया फारेस्ट में आता है । इस इलाके में केन्द्र सरकार की तीन एण्टीग्रेटेड ट्राइब्लस डेवलपमेंट स्कीम शुरू हैं, लेकिन आज तक वहां की जनता को इसके फायदे नहीं पहुंचे हैं । आज भी वहां के लोग लंगोटी लगाकर रहते हैं । तो मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इतने पिछड़े हुए इलाके में, जिसकी न्यूज-पेपर के माध्यम से आपको जानकारी होगी, उस डिस्ट्रिक्ट में हमारा या किसी भी राष्ट्रीय पार्टी का राज न होते हुए नक्सलाइट का राज है और वहां की आदिवासी जनता नक्सलाइट के अण्डर काम करती है क्योंकि आज तक वहां पर राज्य-सरकार की या केन्द्र सरकार की सुख सुविधा उन तक नहीं पहुंची हैं । तो उनको एजूकेट करने के लिए इस वर्ष जैसा मंत्री महोदय ने कहा (1987–88) में गड़-चिरौली में टी०वी० सेण्टर स्टार्ट कर रहे हैं, तो उसकी निश्चित तिथि क्या होगी ? यह मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं ।

श्री अरुण सिंह : सितम्बर, 1987 ।

MR. CHAIRMAN: And you have nothing to say about Naxalites.

SHRI JAGESH DESAI; Sir, Gadchiroli is the most backward district in Maharashtra. Adivasi people are staying there. There are no cinema theatres in that area and there is no entertainment for them and information education is also not provided to them. I would like to know whether the Minister will take personal interest and see that such stations are put in Adivasi and backward areas so that they can get some type of entertain-, ment and education.

SHRI ARUN SINGH: It is exactly for that purpose that these stations are being commissioned in 1987.

श्री भंवर लाल पंवार : सभापति महोदय, समय ने यह बता दिया है कि टी०वी० अब लक्जरी का सब्जेक्ट नहीं रहा है बल्कि आवश्यक हो गया है । तो पिछड़े इलाकों में यह सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से क्या सरकार कोई कदम उठायेगी कि इस बजट में जो टी०वी० और एक्स्ट्रा कलर टी०वी० पर एक्सट्रा रेट लगाया है उसको कम करते हुए और विज्ञापन के माध्यम से इन्कम और अधिक करके इस कार्यक्रम को और प्रोत्साहन देंगे सबसिडाइज करके या रेट कम करके ताकि पूरे भारतवर्ष में यह काम हो सके ?

SHRI ARUN SINGH: Sir, the question of excise duties and tax on television sets has nothing to do with the I _& B Ministry, But I will pass on the Suggestion...

MR. CHAIRMAN; Whether you would use that money to subsidise development.

SHRI ARUN SINGH: So far as advertising revenues are concerned, the position is that in fact almost one per cent of the total expenditure in the Seventh Plan on Doordarshan is coming out of the revenues earmed by Doordarshan. What I would leave, through you, Sir, with the hon. Members is this question whether we should allow advertising revenues to be the sole and whole purpose of Doordarshan.

SHHRI DHARANIDHAR BASUMA-TARI: There is no doubt that TV is the most important ifiedia of instruction and our late Prime Minister Indira Gandhi had a dream that unless and until. TV coverage spreads to the whoir of India, education cannot be spread. I want to know from the hon. Minister what plans he hp. s in view for the realisation of that dream of Smt. Indira Gandhi.

MR. CHAIRMAN; What plans have, you got to reach all the remote corners of the country?

SHRI ARUN SINGH: Sir, there are two problems. One is the question of transmission signals sitelf and the other is tht Question of television sets, which will receive those signals. So far as transmission signals are concerned, as I said, by the end of the Seventh Plan nationally we hope to cover approximately, plus] minus a few per cent, 80 per cent of tht total population of India.

So far as television sets are concerned, I am afraid I have no information on that. By and large this is a subject which is handled by the State Government.

श्रीमती वीणा वर्मा : श्रीमन्, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि आपका टेलीविजन नैटवर्क देश में ज्यादा फैलता जा रहा है, लेकिन जहां पर ट्रांसमिशन या रिले स्टेशंस लग गए है, उनका रिसेप्शन अच्छा नहीं होता है। बिहार के धारशिला में टी०वी० बहुत धुंधला दीखता है। इसी तरह से जोरहट में, राजस्थान के इंटरियर जो इलाके है वहां भी रिसेप्शन अच्छा नहीं है। तो क्या सरकार उन क्षेत्रों की ओर ध्यान देगी ताकि वहां पर रिसेप्शन अच्छा हो सके ?

SHRI ARUN SINGH; Sir, it is clear that there is a process of learning involved. A 100-watt transmitter will, no, doubt, over a period of time, require to be replaced selectively by one kilowatt and 10 kilowatt transmitters. This process has begun.

We haven't yet covered India from the 100 KV point of view and, therefore, it is a gradual process. I assume by the eighth or ninth Plan all these things will be taken care of.

*306. *[The questioner (Shrimati Renu-ka Chowdhury) was absent. For answer* vide *col.* 35 *infra].*